# एस. एस. मोदी ट्रस्ट की नई शाखा एस. एस.मोदी टी. टी. कॉलेज का उद्घाटन

**माई झुं.न्यूज।** एस. एस. मोदी ट्रस्ट द्वारा एक नई शाखा एस. एस. मोदी टी. टी. कॉलेज का उद्घाटन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि चन्द्रकान्त मोदी सचिव, सुनीता मोदी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अनिता बर्सल निदेशक, अतिथि रश्मि शेखावत, स्नेहलता शेखावत थे। प्रारम्भ में कॉलेज प्रभारी श्रीकान्त सारस्वत द्वारा अतिथि परिचय दिया गया। निदेशक अनिता बसंल ने ट्रस्ट एवं संस्था के नियमों की जानकारी दी। अन्त में सभी छात्राध्यापकों को संस्था की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कराया गया। सचिव चन्द्रकान्त मोदी ने सभी भावी शिक्षकों के उज्वल भविष्य की कामना की । बी. एड. कक्षायें दिनांक १५ जनवरी ०९ से अनवरत चालू हो गई।

# मारवाड़ी युवा मंच ने स्थापना दिवस मनाया

**माई झु.न्यूज।** मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनूं शाखा ने 20 जनवरी को मंच की स्थापना दिवस को मनाते हुए रोगियों को फल वितरण किये। प्रात: मंगलवार 9 बजे जनाना अस्पताल गांधी चौक एवं डॉ.जैन क्लिनिक में मंच अध्यक्ष प्रदीप मोदी,सचिव राजेश केजड़ीवाल,कोषाध्यक्ष निर्मल मोदी,पूर्व अध्यक्ष सम्पत चुड़ेलेवाला एवं राजस्थान प्रान्त के प्रान्तीय अध्यक्ष हरीश तुलस्यान ने मरीजों को फल वितरण किये। विदित है कि जनाना अस्पताल झुंझुनूं को मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनूं ने गोद लिया हुआ है तथा आवश्यक रख रखाव व वार्डों की मरम्मत निर्माण आदि का कार्य प्रगति पर है जिसका अवलोकन भी मंच पदाधिकारियों ने किया।

# श्री श्याम मंदिर में पोष बड़ा महोत्सव

**माई झु.न्यूज।** श्री श्याम संकीर्तन मण्डल झुंझुनूं द्वारा श्री श्याम मंदिर झुंझुनूं में पौष बड़ा महोत्सव प्रसाद का आयोजन किया गया। प्रसाद के साथ भजन संध्या में स्थानीय भजन गायकारों ने एक से बढकर एक सुन्दर भजनों की प्रस्तुतियां प्रदान की। मण्डल के अध्यक्ष भरत तुलस्यान,सचिव विनोद सिंघानिया एवं कोषाध्यक्ष दिनेशचन्द्र अग्रवाल के नेतृत्व में सुन्दर व्यवस्था श्याम भक्तों ने की जिसमें बड़ी संख्या में शहर के गणमान्यजन शामिल हुए।

# देर तक रूके श्रोताओं को लोट पोट किया हास्य कवियों ने

**माई झु.न्यूज।** 19 जनवरी सोमवार सांयकाल ग्रामीण हाट आबूसर में लग रहे पर्यटन मेला 2009 के अवसर पर नियमित रूप से सांयकालीन सास्कृतिक कार्य क्रमों की श्रंखला में आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में देर रात तक ठण्ड के बावजूद रूके श्रोताओं को राजस्थानी हास्य कवियों ने हंसा हंसा कर लोट पोट कर दिया।

हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया था श्री राजस्थान सेवा संघ मुम्बई द्वार श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाल स्व वित पोषित विश्वविद्यालय चुड़ेला के सौजन्य से जिसके मुख्य अतिथि थे वरिष्ठ भामाशाह विश्वनाथ टीबड़ेवाल जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता की लायन्स क्लब्स इंटरनेशनल के निवर्तमान प्रान्तपाल एमजेएफ लायन श्रवण कुमार केजड़ीवाल ने। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच की गरिमा बढाई जीवेम चैयरमेन दिलीप मोदी,ओबीसी बैंक मैनेजर अनिल बंसल,उद्योग विभाग में महाप्रबन्धक एवं मेला समिति सचिव मनीराम,युवा उद्यमी भारतीय उद्योग रत्न अवार्ड से सम्मानित प्रमोद खण्डेलिया एवं वरिष्ठ समाजसेवी किशारीलाल टीबड़ा ने।

कवि सम्मेलन प्रारम्भ से पूर्व परमेश्वर हलवाई ने औपचारिक रूप से मंच संचालन करते हुए कवियों एवं अतिथियों का परिचय दिया तथा आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम संयोजक डी एन तुलस्यान एवं चुड़ेला यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार मो. आलमगीर ने कवियों तथा अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण के साथ किया एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये।

कवि सम्मेलन का बेहद सफल एवं सुन्दर संचालन किया। टोंक से आये कवि प्रदीप पंवार ने जिन्होंने शानदार ढंग से हल्के फूल्के चुटीले व्यंग्य किस्सों से श्रोताओं को गुदगुदाते हुए विधिवत रूप से समारोह का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना डॉ. अंजली सर्राफ से करवाया। कवि सम्मेलन में सवाई माधोपुर से पधारे करूणा निधि टैम्पु ने अपनी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया वहीं हाड़ोती के प्रेम शास्त्री का गीत खुब घुम्यों भई घाघरो देहली के शहर में तथा अन्य गीतों को सराहा गया। शेखावाटी के कुंअर अंकुर ने अपनी रचना में सरकारी अस्पताल में व्याप्त विसंगतियों पर करारा व्यग्य कसा।

इन्दौर की कवियत्रि अंजली सर्राफ ने श्रंगार रस एवं कोटा के गोविन्द हाकला ने हास्य रचनाओं पर दर्शकों की वाहवाही लुटी। टोंक के प्रदीप पंवार जो कि संचालन कर रहे थे के कवियों एवं कवयित्री से अपनी नोक झोंक, जबाब सवाल पर दर्शकों ने भरपुर आनन्द उठाया। अंत में प्रदीप पंवार ने राष्ट्रीय चेतना में वीर रस की कविता आज के भारत पाकिस्तान सम्बंधों एवं आतंकवाद के खिलाफ देशभक्ति भावना से ओत प्रोत पर खुब प्रसंशा प्राप्त की। संयोजक डी एन तुलस्यान ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर आईटीओ मनमोहन काण्डपाल एवं उमेश जाखड़ ,एडवोकेट भगवान सिंह शेखावत,डॉ. एल के शर्मा,देवेन्द्र खत्री,आशुतोश मोदी,सम्पत चुड़ेलेवाला, हरीश तुलस्यान, राजेश केजड़ीवाल,निर्मल मोदी,नवल खण्डेलिया,महेन्द्र रिंगसिया, श्याम बीयाला,पी एल हलवाई,रवि गुप्ता,राजीव मेहता तथा उद्योग विभाग, जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी सहित अन्यजन उपस्थित थे।

# गिलोय ( अमृता )के अनेक रोगों में चमत्कारिक गुण

**माई झुं. न्यूज।** गिलोय एक प्रकृति प्रदत्त परम औषधि है। गिलोय एक लता प्रकृति का पौधा है। इसकी लम्बी लम्बी लता अनेक वृक्षों व घरों के द्वारा पर भी पाई जाती है। यह नीम के वृक्ष पर होने से इसे निम गिलोय भी कहते हैं। इसके पान के आकार के पत्ते होते हैं। लाल रंग के जंगली बेर के आकार के फल लगते हैं। यह बहु सुलभ व गुणकारी औषधि है। इसके अनेक नाम हैं जैसे अमृता, गिलोय, गुडुचि आदि ये हमारे ही आस पास के क्षेत्र में भी खूब मात्रा में मिलती है। ये अमृत तुल्य औषधि है इसलिए इसका एक नाम अमृता भी है। कहा भी गया है- हरें, भरड़े आंवला (त्रिफला)और नीम गिलोय शीतल जल से दीजिए राम करे सो होय। इसको नीम के पेड़ पर से लाकर घर में रखी जा सकती है।

इसे सुखाने के लिए पहले कूटें और बाद में सूखाते बिना कूटे यह छ: सात माह तक भी नहीं सूखती है इसका गिलोय सत्व भी निकाला जाता है जो अनेक रोगों की दवाइयों में काम आता है। विशेष रूप से यह कैल्सियम की पूर्ति व शरीर में रोग प्रतिरोधक,स्वेदरक्त( डब्ल्यूबी सी)कणिकाओं को बनाने में अति लाभदायक है। कैंसर के रोग में रोगी के रक्त में डब्ल्यू बी सी की मात्रा कम हो जाती है इसलिए कैंसर के रोगी को गिलोय चुर्ण व गिलोय सत्व दिया जाता है। अनेक रोगों में गिलोय के प्रयोग 1. बुखार होने पर गिलोय का काढा आधा चम्मच अजवायन, अदरक का टुकड़ा, दो काली मिर्च, पाव चम्मच सौंठ पावडर या दस पत्र तुलसी को इतना उबालें कि काढे का पाव भाग शेष रहे। हल्का रोगी को दिन में दो तीन बार पिला दें। बुखार जरूर उतरेगी। यह अनेकों बार आजमाया हुआ है। कई बार बुखार बहुत अधिक हो जाती है और ऐलोपैथीक दवाईयां नही दे सकते क्योंकि एक बार ऐलोपैथीक दवाई बुखार को थोड़ा बढती हैं उसके बाद कम करती हैं। ऐसे रोगी को गिलोय का काढा बहुत लाभ दायक रहता है। 2. जोड़ों के दर्द में गिलोय के रस को शहद के साथ गुनगुना करके पी जायें, लाभ होगा। 3. शूगर (डायबिटीज)के लिए तो ये रामबाण औषधि है। सुबह शाम काढा बना कर दें या सूखे चूर्ण को पानी के साथ फांकी लें। शूगर को बिल्कुल कम कर देगा। 4.लिवर के रोगों में त्रिफला व शहद के साथ मिलाकर दो बार चाट लें तो लाभ होगा। 5. आंखों की ज्योति बढाने के लिए गिलोय, हरड़, बहेड़ा व आंवला के जो कूट को रात को मिट्टी के पात्र में भिगो देवें व सुबह आंखे धो लें तो आंखों को हर रोज के लिए उत्तम है। 6. शरीर को बलिष्ठ करने के लिए लगातार छ: माह तक गिलोय का काढा सुबह खाली पेट लेने से आदमी ताकतवर व निरोगी बन जाता है। 7. **वीर्य वर्धक व शक्तिदायक** गिलोय सत्व व शुद्ध वंश लोचन को दस दस ग्राम शहद के साथ खाने से अपार वीर्य व शक्ति की वृद्धि होती है। अमृतारिष्ट व गिलोय धन वृद्धि सभी प्रकार की ज्वर को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक दुकानों पर भी मिलती है।

आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला-योग प्रा.चिकित्सा
अग्रसेन भवन झुंझुनूं मो. 09828486899

# टिबड़ेवाल यूनिवर्सिटी में प्रवेश प्रारम्भ

**माई झुं.न्यूज।** जिले के चुड़ेला ग्राम में श्री राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई द्वारा संचालित श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला स्व वित पोषित विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। विधानसभा में इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने विधेयक पारित करवाया। श्री राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई के अध्यक्ष विनोद टीबड़ेवाला ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजस्थान में शिक्षा के इस बड़े क्रांतिकारी संकुल को स्थापित करवाने के लिए प्रथम सत्र में ही विधेयक पारित करवाने के लिए शिक्षा के प्रति सरकार के गहरे सोच एवं संकल्पों को पूरा करने के लिए आभार व्यक्त किया है। टीबड़ेवाला ने बताया कि संस्था द्वारा संचालित विश्वविद्यालय को आगामी सत्र से शुरू करने के लिए सारी तैयारियां की जा रही हैं। विश्वविद्यालय का भवन बनकर तैयार है यहां पर सभी प्रकार की रोजगारोनोमुक्त शिक्षा के नियमित डिग्री कोर्स शुरू करने के लिए उच्च स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। संघ राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में अभीनव क्रांति लाने के लिए कटीबद्ध है। स्वपोषित विश्वविद्यालय की स्थापना इसका पहला कदम है। हम राजस्थान में उच्च शिक्षा के सभी मानको को स्थापित करते हुए झुंझुनूं के इस शिक्षा संकुल को राजस्थान के शिक्षा का केन्द्र बिन्दु बनाने के लिए कटीबद्ध है। ज्ञात रहे राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई 6 से अधिक महाविद्यालयों का संचालन कर रहा है।

शिक्षा के प्रति समर्पित यह प्रवासी राजस्थानियों की संस्था अब राजस्थान में ही शिक्षा के नये आधार स्तम्भ खड़ा करने जा रहा है। जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला नीजि विश्वविद्यालय के माध्यम से राजस्थान के दूर दराज गांवो के विद्यार्थियों को भी सस्ती व शुलभ शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगा व नारी शिक्षा का मार्ग प्रसस्त करेगा व नारी शिक्षा में अभूतपूर्व कायाकल्प करते हुए यहां महिलाओं के लिए डिप्लोमा व डिग्री कोर्स शुरू किये जायेंगे।

# टीबडेवाल विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस

**माई झु.न्यूज।** श्री राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई संचालित द्वारा श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला स्व वित पोषित विश्वविद्यालय में गणतंन्त्र दिवस समारोह पर मुख्य अतिथि डॉ. आर के जैन एवं यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार मौ. आलमगीर द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

## साग्रह निवेदन

**वैबसाईट माई झुंझुनूं डॉट कॉम पर संकलित झुंझुनूं, राजस्थान एवं पूरे भारतवर्ष की सूचनाओं के अपडेशन हेतु सभी संबंधित व्यक्तियों, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी अधिकारियों, संस्थानों से हमारा साग्रह निवेदन है कि वे इसे अपडेट करने हेतु सुझाव, मार्गदर्शन एवं अपेक्षित सूचनाएं प्रेषित करें।**

## हार्दिक श्रद्धांजलि

- **श्रीमती धापू जैन पत्नी प्रो. आर.एल. जैन** पूण्य तिथि 2 जनवरी 2009 स्थान सेठ मोतीलाल कॉलेज क्वाटर्स झुंझुनूं
- **श्री पुरुषोत्तम अश्रु, शेखावाटी एक्सप्रेस चिड़ावा के संस्थापक सम्पादक** पूण्य तिथि 2 जनवरी 2009
- **श्री विश्वनाथ तुलस्यान, भोजराजका सुपुत्र स्व. श्री कमलाप्रसाद जी** पूण्य तिथि 3 जनवरी 2009
- **श्री महावीरप्रसाद जी लुट्टूवाला, श्री अनिलकुमार एवं राजकुमार के पिताश्री का स्वर्गवास** 7जनवरी 2009
- **श्रीमती सुवा देवी पाटोदिया धर्मपत्नी स्व. डूंगरमल जी पाटोदिया, श्रीनथमल, चौथमल, जगदीशप्रसाद, रामानन्द, जुगलकिशोर, पवनकुमार, सुरेशकुमार पाटोदिया** की माताश्री का स्वर्गवास 12 जनवरी 2009 को
- **श्रीमती भगवती देवी क्यामसरिया धर्मपत्नी स्व. श्री द्वारकादास जी क्यामसरिया, सुभाष चन्द क्यामसरिया** की माताश्री का स्वर्गवास दिनांक 22 जनवरी 2009 को
- **श्रीमती विद्यादेवी धर्मपत्न श्री बाल किशन गुप्ता पूर्व प्राचार्य सेठ मोतीलाल स्कूल** का स्वर्गवास 22 जनवरी 2009 को
- **श्री बाबूलाल जी गोयनका, गोपीराम, रतनकुमार, हरीराम, राजकुमार, विनोदकुमार, पवनकुमार, प्रमोदकुमार गोयनका के पिताश्री** का स्वर्गवास 27 जनवरी 2009

जो हमसे बिछुड़ गये है हम उनके प्रति शोक प्रकट करते है एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति एवं सदगति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवारों को यह आघात सहन करने की शक्ति दें। -**माई झुंझुनूं डॉट कॉम**

# फरवरी माह के व्रतोत्सव-पर्व : पं. महावीर प्रसाद

**माई झुं. न्यूज।** 27 जनवरी से गुप्त नवरात्र प्रारम्भ हो रहे हैं जो 4 फरवरी को समाप्त होंगे। वर्ष में चार नवरात्र होते हैं। चैत्र शुक्ल और आश्विन शुक्ल पक्ष के नवरात्र मुख्य एवं आषाढ शुक्ल पक्ष एवं माघ शुक्ल पक्ष के दो नवरात्र पर्व गुप्त नवरात्र कहलाते हैं। शायद शक्ति की गुप्त उपासना के कारण यह नाम दिया गया हो। ये शक्ति की उपासना के पर्व हैं। इस माह में 4 फरवरी तक यह उपासना चलेगी।

5 फरवरी को स्मार्तों की एवं 6 फरवरी को वैष्णव साधु सन्यासियों की जया एकादशी है। साथ ही 6 फरवरी की भीष्म द्वादशी भी है। इससे पूर्व माघ शुक्ल सप्तमी अचला सप्तमी आती है। माघ शुक्ल सप्तमी पुराणों में रथ, सूर्य, भानु, अर्क, महती तथा पुत्र सप्तमी आदि अनेक नामों से विख्यात हैं और अनेक पुराणों में उन उन नामों से अलग अलग विधियां निर्दिष्ट हैं जिनके पालन से सभी अभिलाषाएं पूरी होती हैं। अचला सप्तमी के व्रत का विधान इस प्रकार है- षष्ठी के दिन एक समय भोजन कर सूर्य नारायण का पूजन करें। यथा सम्भव सप्तमी को प्रात: काल ही उठकर सरोवर, नदी या फिर घर पर ही अरूणोदय वेला में बहुत सवेरे ही स्नान करने की चेष्टा करें। सुवर्ण, चांदी अथवा ताम्र में पात्र में कुसुम्भ की रंगी हुई बत्ती और तिल का तेल डालकर दीपक प्रज्ज्वलित करें। उस दीपक को सिर पर रखकर हृदय में भगवान सूर्य का इस प्रकार ध्यान करें-

*नमस्ते रूद्र रूपाय रसानाम्पतये नम:*
*वरूणाय नमस्ते अस्तु हरिवास नमोअस्तुते॥*
*यावज्जन्म कृतं पापं मया जन्मसु सप्तसु*
*तन्म रोगं च शोकं च माकरी हन्तु सप्तमी।*

तदन्तर दीपक को जल के ऊपर तैरा दें। फिर स्नान कर देवताओं और पितरों का तर्पण करें और चंदन से कर्णिका सहित अष्टदल कमल बनाये। उस कमल के मध्य में शिव पार्वती की स्थापना कर प्रणव मंत्र ऊँ नम: शिवाय से पूजा करें और पूर्वादि क्रम से भानु, रवि, विवस्वान, भास्कर, सविता, अर्क सहस्त्रकिरण तथा सर्वात्मा का पूजन करें।

इस प्रकार पुष्प धूप, दीप नैवेद्य तथा वस्त्र आदि उपचारों से विधि पूर्वक भगवान सूर्य की पूजा कर स्वस्थान गम्यताम यह कह कर विसर्जित कर दें। बाद में ताम्रपत्र में गुड़ तिल से चूर्ण तथा सुवर्ण का ताल पत्राकार एक करन का आभूषण बनाकर ब्राह्मण को दे दें। इससे दु:ख दौर्भाग्य दूर होते हैं। माघ शुक्ल अष्टमी भीष्माष्टमी है। इस तिथि को भीष्मपितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने पर अपने प्राण छोड़े थे। उनकी पावन स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक हिन्दु को भीष्म पितामह के निमित्त कुश तिल, जल लेकर तर्पण करना चाहिए। चाहे उसके माता पिता जीवित ही क्यों ना हो। इस व्रत को करने से मनुष्य सुन्दर व गुणवान संतान प्राप्त करता है।

*माघे मासे सिताष्टम्यां सतिलं भीष्म तर्पणम।*
*श्राद्धं च ये नरा: कुर्युस्ते स्यु: सन्ततिभागिन:*

माघ पूर्णिमा - जो मनुष्य पूरे माघ में शीतल जल से स्नान में असमर्थ हो वह माघी पूर्णिमा को तीर्थ स्थलों में स्नान दानादि कर पूरे माघ मास के स्नान दान के पुण्य को प्राप्त कर लेता है। इस पुण्य तिथि को सभी कल्पवासी गृहस्थ प्रात: काल गंगास्नान स्नान या गंगाजल डालकर घर पर ही स्नान कर ब्राह्मणों को भोजन कराकर स्वयं भोजन ग्रहण करें। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करके फिर पितरों का श्राद्ध करें। असमर्थों को भोजन वस्त्र तथा आश्रम दें। तिल कम्बल कपास गुड़ घी मोदक जूते फल अन्न और यथा शक्ति सुवर्ण रजत आदि का दान दें तथा पूरे दिन व्रत रखकर ब्राह्मणों को भोजन दें और सत्संग एवं कथा कीर्तन में रात बिताकर दूसरे दिन पारणा करें यह माघी पूर्णिमा नौ फरवरी की है। इसके दूसरे दिन फाल्गुन माह प्रारम्भ हो जाएगा। दस फरवरी को गुरू पूर्व दिशा में स्टैण्डर्ड समयानुसार 12-14 मिनट पर उदय होंगे इसके पश्चात वैवाविक मांगलिक कार्य प्रारम्भ हो जाएंगे। 23 फरवरी को महाशिवरात्रि का व्रत है। शिवरात्रि का अर्थ है शिव तत्व के साथ घनिष्ठ सम्बंध बनाने वाली रात्रि। शिवार्चन और जागरण ही इस व्रत की विशेषता है।

ईशान संहिता में बताया गया है फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि को आदि देव भगवान शिव करोड़ों सूर्य में समान प्रभा वाले लिंग रूप में प्रकट हुए थे। शिवरात्रि में चार प्रहर की पूजा का विधान है। इसमें शिवजी को पंचामृत में स्नान कराकर चंदन पुष्प अक्षत वस्त्रादि से श्रृंगार कर आरती करनी चाहिए। रात्रि भर जागरण तथा पंचाक्षर मंत्र नम: शिवाय का जप करना चाहिए। रूद्राभिषेक रूद्राष्टाध्यायीय का पाठ भी करें।

शिव पुराण के अनुसार व्रती को प्रात:काल उठकर स्नान आदि से निवृत होकर मस्तक पर भस्म का त्रिपुण्ड तिलक लगाकर गले में रूद्राक्ष माला धारण कर शिवालय में जाकर शिवालय में जाकर के शिवलिंग की विधिपूर्वक पूजन व नमस्कार करना चाहिए। तत्पश्चात उसे श्रृद्धा पूर्वक व्रत का इस प्रकार संकल्प करना चाहिए-

*शिवरात्रिव्रतं ह्येतत् करिष्येअहं महाफलं।*
*निर्विघ्नंस्तु में चात्र त्वत्प्रसादाज्जगतपते॥*

यह कहकर हाथ में जल पुष्पादि भगवान शिव को अर्पणकर देने चाहिए एवं कहना चाहिए है देवदेव महोदव। मैं आपका शिवरात्रि का व्रत करना चाहता हूं। आपकी कृपा से यह व्रत निर्विघ्न पूर्ण हो और काम, क्रोध और लोभ मुझे पीड़ित न करें। उन्हें ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए। परन्तु जो द्विजेतर अनुपवीत एवं स्त्रियां हैं उन्हें प्रणव रहित शिवाय नम: मंत्र का ही जप करना चाहिए।

**पंडित महावीर प्रसाद पारीक,**
शास्त्री एम ए, संस्कृत, बीदासर- बिसाऊ
मोबाईल- 9460513758